09/01/2016 Issue 049 ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in
पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ती त गलती बि भुन्ती। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेएड़े हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सुझाव त अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगेई मेहणु जे हात जोड़ कइ निवेदन कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणी या नोवी कथा, कहावत, कविता, त नोवे घीत (पंगवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्न दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418431531
- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9418721336

कलभुत

शीतल, क्लास:8, परमश ग्रां

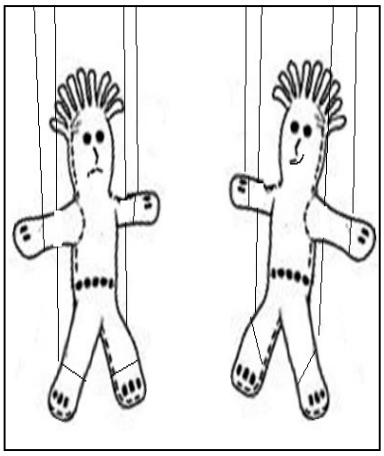

कलभुत यक रोज लेहर आई।

से बोलुण लगी “अउं ईं टगो किस असी।”

तुं में अगर पतुं बन्हो इन्हि धागी टोड़ छड़,

त मोउं अपु खुरी पुठ खड़ भूण दे।

ईं शुण कइ होरि कठपुतली बि बोलुण लगी,

कि हाँ कलभुत मन अन्तर कि छद भुई,

अजाद भुणे ईं की इच्छा में मन अन्तर जागी।

हार गई ईये ममता

बबिता, चौकी ग्रां

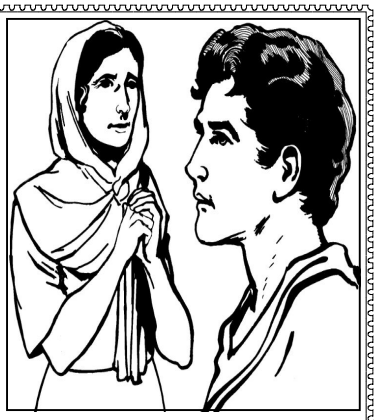

बिमला अपु यक पुरु घरोठू अन्तर बिश कइ चऊ बिण लगो थी। तेन्के छत पूरी टुटी गो थी। मेघे लगी त उछारे पुओणी सोब अन्तर भरी घेन्तुथ। तेन्हि लाण जे सुसुर झिणे बि न भुन्तेथ।

तेसे धाणि रुप सिंह बोलुण लगा, “बिमलाए! से मेहणु एई गए। बिमला पतूं जे मुड़ कइ हेरण लगी। से विचारी डरोरीं बिश कइ रोलुण लगी। तसे मुंह केआं किछ न नुथु। तसे धाणि रुप सिंह बोलुण लगा “हेर हें दिन-धिएड़ी ठीक नेंई। पुठे केआं चओर-चओर कुई। जीण मुशिकल भोई गओ असु। ईं कपल तकर जींते। अभेई बि त असी केईं टाई कुई असी।”

बिमला किछ बोती तेस केआं पेहलाई तसे धाणि दुई साले से कुई टाई कइ तेन्हि मेहणु के धे दी छई, जे अपु ईये भेएड़ उंघो थी। तेन्हि मेहणु अन्तरा यक जेंई सुआ रुपेई रुप सिंहे हथ अन्तर छड़ कइ बोलु, “गिणि दे, पूरे पन्ज हजार असे।” तोउं तेन्हि मठिण कुई धे यक डबुण बिस्कुट दुतु त से खाण लगी। “घेन्ते!” ईं बोल कइ, तेन्हि कुई कलाइ की त घेई गे। बिमला दुवार पुठ खाखड़ यक हथ अगर कर कइ हेरती रेहि गई।

हार गई ईये ममता

पता से जोरि-जोरि बोलुण लगी ना-ना .....रुके में कुई मेंधे वापस दिए। पर से मेहणु घेई गे। बिमला विचारी रोलती रेहि गई। बिमलाइ मुड़ कइ पतु हेरु त तसे कपटी मड़द रुपेई गिणण मस्त थिआ। अजगता से बोलुण लगा, 'ओई.....इ त पन्ज सौ रुपेई घठ असे। से झठ तेन्के पता दौड़ गा। त बिमला घम दी कइ भीं बिश गई। ईं आश जोई कि तसे कुई वापस एई घेन्ती।

लाछ बुरी भुन्ती विनोद, भटोस ग्रां

यक गी बुढ़ा त बुढ़ी थिए। तेन्के पन्ज कुई थी। तेन्हि केईं यक गौड़ा बि थिआ। से सत कुठणु दुध देन्ताथ।

यक रोज बुढ़े त बुढ़ी मन अन्तर ख्याल आ कि अस अन्हि कुई दूर पुजाई छते। तोउं असी सत कुठणु दुध रजि भुन्तु। तोउं तेन अपु पन्जो कुई नी छेई त से हंठते-हंठते दूर पुज गए। बथ तेन्के बोउ तेन्हि कुई जे बोलुण लगा मोउं हगाण लगो असी। तुस हंठीण दिए अउं एई घेन्ता। तोउं तेन्के बोउए तेठि बथ लोड जोई यक बोडा बबण बन्ह छड़ा। से बबण ब्यारि बेलि भाइ-भाइ करण लगा त कुई बोति हैं बोउ सुआ हगाण लगो असी।

पता, बुढ़ा तेठिया मठे नश कइ अपु गी पुज गा। ब्यादि बुढ़े गौड़ा तणा त तेन दुईए कुठणु दुध दुतु। तोउं बुढ़ा त बुढ़ी सोचण लगे कि आज हें गौड़े दुईए कुठणु दुध किस दुतु। त से सुआ पछतेईये त रोलुण लगे। त भाई, कसे बि चीजी लाछ न करीण।

पुरशो, करे हिम्मत! सुसुर मतलब जोई लखिर लई कइ जोड़ीण दिए।

1.	पेट अन्तर कीड़ा/मुश हन्टुण	चुप करना।
2.	मुंह बाड़ देण	बहुत भुखा होना।
3.	डा डा न सुखाण	आपस में मिल-जुल के न रहना।
4.	तालु सुखाण छाण	मज्जे को खराब करना।

यक कुई त कुआ छेड़ी लगो थिए। कुआ हंठते-हंठते गधे अगर झड़ गा। त बबीता

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

जिन्दगी प्यारे सम्बन्ध त मिआण केआं बध असी। एडस बीमारी भूण केआं खरी अपु मने इच्छा दबाण ज्यदा सुख्तु असु। यौन खेले 3 मन्ठे मजे अन्तर एडस बीमारी भोई घेन्ति। **हराले हिम्मत, अलग भूणे।...**